अगर आप स्टार किड हैं तो पहली फिल्म में ही वो करो जो आपके मां-बाप ने 10वीं में किया : तनुज विरवानी

एक्टर तनुज विरवानी को उनकी फिल्म योद्धा के लिए लगातार सराहा जा रहा है और उन्हें बहुत प्यार मिल रहा है। उनकी सफलता की कहानी कभी न खत्म होने वाले जुनून, अनुशासन और लगातार कोशिशों की है। पिछले कुछ वर्षों में, वह फीनिक्स की तरह उभरे हैं और उन्होंने बड़े मंच पर बार-बार अपनी योग्यता और विश्वसनीयता साबित की है, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है। उनके नए प्रोजेक्ट योद्धा के बारे में बात करें, तो उनकी परफॉर्मेंस बेहतरीन रही है। लेकिन तनुज की कहानी इतनी ही नहीं है। उनके बारे में और कुछ बातें जानते हैं, जो उन्होंने हमें बताईं।

योद्धा में आपका रोल तो बहुत अच्छा था, आपको नहीं लगता कि स्क्रीन टाइम बहुत कम मिली है?

मैं जब भी किसी प्रोजेक्ट को साइन करता हूं तो रोल में कितना टाइम मिला, ये कम देखता हूं। ये ज्यादा देखता हूं कि वो कहानी को कैसे आगे लेकर जा रहा है। वो मेरे लिए बहुत जरूरी है। योद्धा में भी वही रोल करना मेरे लिए जरूरी लगा।

फिल्म में एक्शन सीन्स बहुत थे, लेकिन आपको उसमे देखने को नहीं मिला, क्या कहेंगे इस पर?

कहानी के हिसाब से कैरेक्टर एक्शन में हिस्सा लेंगे। मुझे पहले से ही पता था कि मेरे एक्शन सीन इसमें नहीं हैं क्योंकि मैं ग्राउंड कमांडर हूं। तो जितने भी एक्शन रहे हैं, जो भी डायलॉग हैं वो मेरे ऑफिस के अंदर रहे हैं और जो एक्शन हो रहा था वो फ्लाइट के अंदर था। तो ऐसा नहीं है कि मुझे मेरे रोल से कोई सरप्राइज मिला।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ काम करके कैसा लगा, सेट का एक्सपीरियंस बताएं?

सिड के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वो बहुत दयालु है। काफी शॉर्टेड है और बहुत प्रोफेशनल एक्टर है। सेट पर जितने भी लोग हैं उनके साथ वो अच्छे हैं। वो ऐसे हैं जो चाहते हैं कि हमेशा कुछ नया सीखते रहें। उन्होंने सारे एक्शन सीन खुद किए। किसी बॉडी डबल की मदद नहीं ली।

आपने पुरानी जींस जैसी फिल्में की हैं, इंडस्ट्री में इतने साल हो चुके हैं, फिर भी लीड रोल्स उस तरह के नहीं मिल पा रहे हैं, क्या वजह हो सकती है?

जब आप एक लीड एक्टर बनते हैं तो फिल्म की सारी रिस्पॉन्सिबिलीटी आपके कंधों पर आ जाती है। मेरी दो फिल्में पहले नहीं चली हैं, तो उस तरह का काम नहीं मिल रहा है। उसी वक्त मैंने फैसला किया कि मैं वेब सीरीज में भी काम करूंगा। इतने सारे अलग-अलग शोज में मैंने बहुत स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स प्ले किए। मैं मेरे लोगों को हर तरह से एंटरटेन करना चाहता हूं। पिछले 6-7 साल से अब तक मैंने ज्यादा ओटीटी पर ही फोकस किया है।

स्टार किड हैं आप और रति अग्निहोत्री के बेटे भी हैं, इसका फायदा हुआ या नुकसान?

किसी भी स्टार किड के लिए, जब आप इंडस्ट्री में कदम रखते हैं, तो आपके कंधों पर बहुत जिम्मेदारी होती है। आपके मां-बाप की वजह से आपको काम मिलता है। लेकिन उसके बाद अगर आप कुछ अच्छा नहीं करते हैं तो आपको कोई नहीं बचा सकता। आप उसके बाद अपने टैलेंट, अपनी लगन और काम के ऊपर ही ग्रोथ करते हैं। इसके कुछ डिसएडवांटेज भी हैं। लोग समझते हैं कि आप पहली फिल्म में ही कमाल कर जाएंगे, जो आपके मां-बाप ने 10वीं फिल्म में किया था। वो बहुत मुश्किल हो जाता है। आपको खुद को साबित करना पड़ेगा।

आपने जो फिल्में की हैं उनमें बेहतरीन काम किया है, क्या आप खुद के काम से संतुष्ट हैं?

मैं बहुत ब्लेस्ड हूं कि मुझे अच्छे मौके मिले हैं। वेब सीरीज में हों या फिल्मों में हों, जब आप संतुष्ट हो जाते हैं ना तो आपके अंदर की वो भूख खत्म हो जाती है। इसलिए मैं हमेशा भूखा रहता हूं। मैं चाहता हूं कि मैं और अच्छा काम करूं। मैं अपने प्रोसेस पर काम कर रहा हूं और रिजल्ट कभी न कभी सामने आते ही हैं।

मां ने कभी कोई सलाह दी कि बुरे वक्त को कैसे फेस करना है?

मां हमेशा यही समझाती हैं कि रात चाहे कितनी भी अंधेरी हो, सवेरा आता ही है। आपको ये नहीं देखना है कि दूसरे के साथ उनके करियर में क्या हो रहा है। आप हमेशा खुद को देखिए। मां हमेशा यही बात समझाती हैं इसलिए मैं रिजल्ट पर कम और प्रोसेस पर ज्यादा ध्यान देता हूं।

हाल ही में शादी हुई है, मैरिड लाइफ कैसी चल रही है?

भगवान की कृपा से शादी बहुत अच्छी चल रही है। तीन महीने ही हुए हैं, सब बहुत अच्छा है। जब आप लाइफ में शॉर्टेड हो और आपको पता हो कि आपने सही इंसान को चुना है तो सब अच्छा ही है।

आनेवाले प्रोजेक्ट्स कैसे हैं और कौन से हैं?

योद्धा के बाद मैं स्पिल्ट्सविला 15 में आने वाला हूं। उसे सनी लियोनी के साथ होस्ट करूंगा। फिर केके मेनन के साथ एक वेब सीरीज करूंगा। फिर एक ओटीटी की फिल्म में भी नजर आऊंगा।

ऐक्टर को थप्पड़ नहीं मार सकती, ऐसा नहीं है कि दिल नहीं करता लेकिन ये कर नहीं सकती : फराह खान

फराह खान मे इंडस्ट्री में कदम रखने से लेकर डायरेक्शन, कोरियोग्राफी और एक्टर्स के नखरे तक पर दिल खोलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा- मेरे लिए बच्चों को संभालना आसान है क्योंकि उनको मैं थप्पड़ मारकर समझा सकती हूं लेकिन ऐक्टर को थप्पड़ नहीं मार सकती और ऐसा नहीं है कि दिल नहीं करता। बॉलीवुड डायरेक्टर, कोरियोग्राफर फराह खान का फिल्म इंडस्ट्री में सफर किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। करीब तीन दशक पहले बतौर कोरियोग्राफर डेब्यू करने वाली फराह आज एक सफल डायरेक्टर भी हैं। फिल्म मैं हूं ना से डायरेक्शन की फील्ड में आने वाली फराह बीते दिनों एक कार्यक्रम के सिलसिले में लखनऊ आई हुई थीं। इस दौरान उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की भागीदारी, डायरेक्शन कितना मुश्किल है, कोरियोग्राफी से लेकर ऐक्टर के नखरे तक के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात कही।

महिलाओं के बगैर ये दुनिया नहीं चलेगी : एक खास दिन बस महिलाओं के सेलिब्रेशन के लिए क्यों होता है? मुझे इससे नफरत है। देखें तो हर दिन महिलाएं घर, ऑफिस और बच्चों को संभालती हैं। ऐसे में उनका तो हर दिन होना चाहिए। उनके बगैर कुछ हो ही नहीं सकता है। विमिन डे की जगह वन डे विदआउट विमिन हो जाए तो सारे पुरुष एक ही दिन में अस्पतालों में भर्ती हो जाएंगे इसलिए इसे हर दिन सेलिब्रेट करना चाहिए क्योंकि महिलाओं के बगैर यह दुनिया चलने से रही।

इंडस्ट्री में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है : पहले इंडस्ट्री में महिलाओं को कम स्पेस मिलता था। पर्दे पर वो बस एक सपोर्टिंग रोल में नजर आती थीं। पहले महिलाओं को बस बैकस्टेज काम मिलता था, वो भी बहुत नॉर्मल सा, लेकिन अब वक्त बदल रहा है। मेरी फिल्म हैपी न्यू इयर में पचास प्रतिशत स्टाफ महिलाओं का था। इसमें असिस्टेंट डायरेक्टर से लेकर शो रन करने तक में महिलाएं ही थीं। फिल्मों की बात करें तो आज बहुत सारी महिला प्रधान मूवीज बन रही हैं। रवीना टंडन, सुष्मिता सेन, तब्बू जैसी कलाकार को देख लीजिए, आज भी काम कर रही और बेहतरीन काम कर रही हैं।

बॉडी शेमिंग कुछ नहीं होती : एक बार ऐसे ही हीरोइनों की फिटनेस को लेकर बात चल रही थी। मुझसे किसी ने पूछा कि आपने कभी 75 किलो की हीरोइन देखी है। मैंने तुरंत कहा कि हां देखी है हुमा कुरैशी। वह बेहतरीन अदाकारा हैं। अक्सर बॉडी शेमिंग को लेकर लोग ट्रोल करते हैं लेकिन मैं इसको गलत मानती हूं। जो जैसा है, ठीक है। बस उसका काम बढ़िया हो। लेकिन इन सबके बावजूद हम कलाकारों को फिट रहना पड़ता है। मैं अपनी बात बताऊं तो मैं काफी लेट मां बनी। दो साल पहले तक मैं खुद को फिट रखने की कोशिश में थी। अपने वजन को कम करना था इसलिए नहीं कि मुझे लोगों से फर्क पड़ रहा था बल्कि इसलिए ताकि मैं फिट रहूं, अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय तक जिंदगी खुशहाली से जी सकूं। क्योंकि हम अगर खुद को फिट नहीं रखेंगे तो जीवन में खुशहाल कैसे रह सकेंगे। अपने परिवार के साथ ज्यादा खुशहाल समय बिताने के लिए फिट रहना जरूरी है।

सेल्फी के ज़माने में ऑटोग्राफ देना पसंद नहीं : ऐक्टर को संभालना मुश्किल है या बच्चों को? इस पर फराह खान ने कहा कि मेरे लिए बच्चों को संभालना आसान है क्योंकि उनको मैं थप्पड़ मारकर समझा सकती हूं। ऐक्टर को थप्पड़ नहीं मार सकती। ऐसा नहीं है कि दिल नहीं करता, कई बार दिल करता है कि थप्पड़ मार दूं लेकिन ऐसा नहीं कर सकती। इसके अलावा, मुझे आटोग्राफ देना पसंद नहीं। अब दौर सेल्फी का है तो सेल्फी के लिए मैं हमेशा तैयार रहती हूं। साथ ही मुझे लगता है कि लोगों को हंसाने के मुकाबले उनको डांस करवाना मुश्किल है।

उम्र मेरे लिए बस एक नंबर है : फराह खान कहती हैं कि मैं उम्र को बस एक नंबर मानती हूं। आपका दिल हमेशा जवान रहना चाहिए। कई बार मैं इतनी मस्ती करती हूं कि बच्चे कहने लगते हैं कि मम्मा बस करिए आपकी वजह से हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। टीवी पर आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे टीवी पसंद है क्योंकि इसकी पहुंच घर के हरेक सदस्य तक होती है। इसके मुकाबले फिल्में अभी पीछे हैं।

शुरू से फिल्ममेकर ही बनना था : करीब 32 साल पहले मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था। 1992 में जो जीता वही सिकंदर से बतौर कोरियोग्राफर डेब्यू किया था। उस वक्त मुझे फिल्ममेकर ही बनना था लेकिन इत्तेफाक से कोरियोग्राफर बन गई क्योंकि मैं डांसर अच्छी थी। फिर करीब दस वर्ष तक सिर्फ कोरियोग्राफी ही की। इस दौरान मैंने मणिरत्नम जैसे कई बड़े निर्देशकों के साथ काम किया और उनसे बहुत कुछ सीखा। 2004 में फिल्म मैं हूं ना बनाई। वो बहुत पसंद की गई क्योंकि उसमें ह्यूमर बहुत था, जो दर्शकों को पसंद आया। जहां तक मेरे ह्यूमर की बात है तो हमारे पूरे परिवार के पास काफी अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर है।

समुद्री लुटेरों पर बनी है वेब सीरीज 'लुटेरे'

बेटे जय के डायरेक्शन पर हंसल मेहता बोले- उसने कई मुश्किलों का सामना अकेले किया

फिल्ममेकर हंसल मेहता की वेब सीरीज लुटेरे रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज में समुद्री लुटेरों की कहानी को दिखाया गया है। हंसल के बेटे जय मेहता ने इसे डायरेक्ट किया है।

इंडियन सिनेमा का अनुभव लॉन्ग फॉर्मेट में दिखाने का लक्ष्य था : हंसल कहते हैं, ये प्रोजेक्ट कई सारी सच्ची घटनाओं पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। इस थ्रिलर को हमने केवल मनोरंजन के लिए बनाया है। हम ऑडियंस से एंगेज होना चाहते थे। हमने पूरी कोशिश की इस सीरीज को लार्जर देन लाइफ दिखाने की। इंडियन सिनेमा का अनुभव लॉन्ग फॉर्मेट में दिखाने का लक्ष्य था।

अपने बेटे से सहानुभूति भी होती थी : उन्होंने आगे कहा, मैं इस सीरीज का डायरेक्टर नहीं था। ये मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था। मेरे बेटे, जय ने इसे डायरेक्ट किया। मैं सिर्फ क्रिएटर हूं। अब ये मेरे लिए अच्छा चैलेंज भी था और बुरा भी। मानो जैसे किसी क्रिकेट ग्राउंड में कोच बनकर बैठा हुआ था। अपने बेटे से सहानुभूति भी होती थी।

कई मुश्किलों का उन्हें अकेले सामना करना होता था। मैंने जय को हर प्रकार का

अनुभव लेने की छूट दे दी थी। फाइनल आउटकम से काफी संतुष्ट हूं।

इस प्रोजेक्ट को बनने में काफी वक्त लगा : हंसल की मानें तो इस सीरीज के बनने में उनका अनुभव काफी काम आया। इस बारे में उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को बनने में काफी वक्त लग रहा था। मुझे लगता था कि प्रोडक्शन में काफी गड़बड़ हो रही है। टीम इस पर काम करना चाहती थी, लेकिन शुरुआत नहीं हो पा रही थी। कई बार जय मायूस होकर मुझसे इस बारे में बात करता था। मैं उसे डटे रहने की एडवाइस देता था। मेरा अनुभव कहता है कि यदि आप किसी चीज पर डटे रहेंगे, वो अवश्य पूरा होगा। लुटेरे को शुरू और खत्म करने में मेरा काफी योगदान रहा। जब-जब मुश्किलें आई, हमने रास्ता निकला और आगे बढ़ते गए।

जय और मैं पिछले 12 साल से एक साथ काम कर रहे हैं

बेटे के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में हंसल आगे कहते हैं, शूटिंग के दौरान, जब भी जय को गुस्सा आता, वो मुझ पर निकाल देता। वो कभी अपनी यूनिट पर व्यक्त नहीं करता। दरअसल, हम दोनों एक-दूसरे के बफर बने हुए थे। ईगो वगैरह हमारी दुनिया में बिलकुल नहीं था। हम पिछले 12 साल से एक साथ काम कर रहे हैं। हर बार ऐसा लगता था कि इसके बाद कभी जय के साथ काम नहीं करूंगा। लेकिन हमने ये शो 4 साल पहले शुरू किया था। पिछले इन 4 सालों में वे काफी मेच्योर हो गए हैं।

आज के दौर में हमें गांधीगिरी की बहुत जरुरत है

हंसल मेहता की आगामी वेब सीरीज गांधी की भी शूटिंग शुरू हो चुकी है। एक्टर प्रतीक गांधी लीड रोल में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट के बारे में हंसल कहते हैं, मेरा मानना है कि आज के दौर में हमें गांधीगिरी की बहुत जरुरत है। इंसान को अपनी गलतियों को कुबूलना और उससे सीखना चाहिए। हम इस बात को भूल चुके हैं।

पुष्पा 2 के सेट से रश्मिका की फोटो हुई लीक लाल साड़ी और सोने के गहने पहने दिखीं श्रीवल्ली

पुष्पा 2 का इंतजार सभी फैंस को बेसब्री से है। ऐसे में हाल ही में फिल्म के सेट से रश्मिका मंदाना की एक फोटो वायरल होती नजर आ रही है। तस्वीर में रश्मिका गोल्डन बॉर्डर वाली लाल साड़ी पहने दिख रही हैं। उनके गले में हेवी ज्वेलरी भी नजर आ रही है। एक्ट्रेस बालों में ऑरेंज गजरा लगाए शर्माती हुई दिखाई दे रही हैं।

पुष्पा 2 में क्या देखने को मिलेगा : एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका से पुष्पा 2 के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा- एक बात का मैं आप लोगों से वादा कर सकती हूं कि ये फिल्म बड़े पैमाने पर शूट होने वाली है। हम लोगों ने आधी फिल्म शूट कर ली है। मैंने एक मैसिव गाना शूट किया है। अभी एक और दूसरा सॉन्ग शूट करना रहता है। पुष्पा 2 में मेरी भूमिका ये है कि अब मैं पुष्पा की पत्नी बन गई हूं। पुष्पा की पत्नी बनने के साथ ही मुझे कुछ जिम्मेदारियां निभानी बाकी हैं। पुष्पा 2 में और भी ज्यादा ड्रामा होने वाला है। ये तय है कि इस फिल्म में काफी मसाला देखने को मिलेगा।

पुरानी टीम के साथ काम करना घर जैसा लगता है : रश्मिका ने कहा कि पुराने एक्टर्स के साथ दोबारा मिलना घर जैसा लगता है। क्योंकि आपने उसी टीम के साथ एक पूरी फिल्म शूट की है। अब जब आप दोबारा से मिलते हैं, तो बहुत खुशी होती है। उन्होंने बताया कि सीक्वल के लिए अल्लू अर्जुन, सुकुमार और बाकी टीम के साथ फिर से जुड़कर बहुत अच्छा लगा। हाल ही में तेलुगु सिनेमा नाम की वेबसाइट पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स दूसरे पार्ट में थोड़ा ग्लैमर लाना चाहते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि, इस पिक्चर में जान्हवी कपूर की एंट्री हो सकती है। उनका रोल काफी अहम हो सकता है।

15 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म : सुकुमार की डायरेक्शन में बन रही पुष्पा 2 इस साल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना के साथ फहद फासिल, जगदीश प्रताप बंडारी, सुनील, राव रमेश, और धनंजय भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक एवं मालिक धर्मपाल सिंह द्वारा 34,0, उपाध्याय नगर ग्राम मुक्तेश्वर हापुड से प्रकाशित एवं हापुड न्यूज एंड प्रिंटिंग कंपनी, अशोक नगर शामपुर रोड हापुड, उत्तर प्रदेश से मुद्रित UPHIN/2023/51292, संपादक धर्मपाल सिंह, सभी न्याय क्षेत्र का हापुड न्यायालय होगा। संपर्क :- .9411953491, E-mail: tejyugnews@gmail.com, (इसमें छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं। सम्पादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)